हंसध्वनि

पवन हंस लिमिटेड की राजभाषा ई-पत्रिका

14.09.2020 – हिंदी दिवस विशेषांक

हमारी दृष्टि

"यह निर्णय लें कि आप कभी नहीं रूकेंगे। हो सकता है कि आप लड़खड़ाएं, हो सकता है कि आप गिरें भी, परंतु आपको रूकना नहीं है।"

"यात्रियों को विश्व श्रेणी की संरक्षित, सुरक्षित, संधारणीय, वहनीय विमानन सेवाओं के अवसर प्रदान करना।"

हमारा ध्येय:

" हेलीकॉप्टर तथा सी-प्लेन सेवाओं में बाजार के नेतृत्व की प्राप्ति, फिक्स्ड विंग्स वाले छोटे विमानों से क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता उपलब्ध करवाना तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मरम्मत एवं ओवरहॉल की सेवाएं उपलब्ध करवाना।"

महापुरूषों से संबंधित सूक्तियां

"राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" - महात्मा गांधी

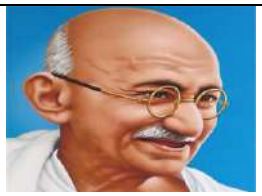

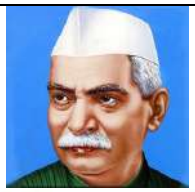

"हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।"

डॉ राजेंद्रप्रसाद

"भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।"

मदन मोहन मालवीय

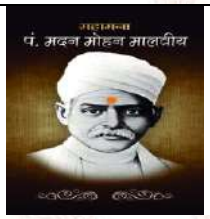

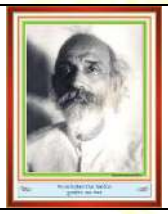

"हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है।"

पुरूषोत्तम दास टंडन

"हिंदी हमारी राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है।

सुमित्रानंदन पंत

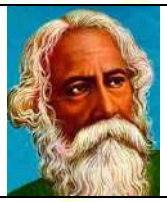

"भारतीय भाषाएँ नदियां हैं और हिंदी महानदी ।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

"हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।"

स्वामी दयानंद सरस्वती

राजभाषा हिन्दी

राजभाषा हिन्दी

हंसध्वनि

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मार्गदर्शक

एयर कमोडोर टी ए दयासागर
कार्यपालक निदेशक

प्रधान संपादक

श्री एच एस कश्यप
विभागाध्यक्ष
(मासं व प्रशा)

संपादक

सुश्री रेखा रानी
हिंदी आशुलिपिक
(राजभाषा)

अनुक्रमणिका

सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	04
संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	05
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	06
निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	07
सहायक निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	08
कार्यपालक निदेशक का संदेश	09
प्रधान संपादक एवं राजभाषा प्रमुख की कलम से...	10
राष्ट्रपति का आदेश 1960	11
हम भी हिंदी	12
कंप्यूटर/लैपटॉप पर ऐसे करें एक्टिव हिंदी	14
राजभाषा संबंधी नीति नियम	15
राष्ट्र की सेवा में पिछले 35 वर्षों से पवन हंस	16
कोविड-19 संक्रमण के बचाव	17
मैं अक्सर सोचा करता हूँ -कविता	19
बस एक कदम और ..... कविता	22
पदनाम/ हिंदी में प्रयोग होने वाले शब्द	23
स्वच्छ भारत अभियान - पवन हंस एक पहल के रूप में	25
भारतीय संविधान के 70 वर्ष	26
हिंदी पखवाड़ा -2020	27

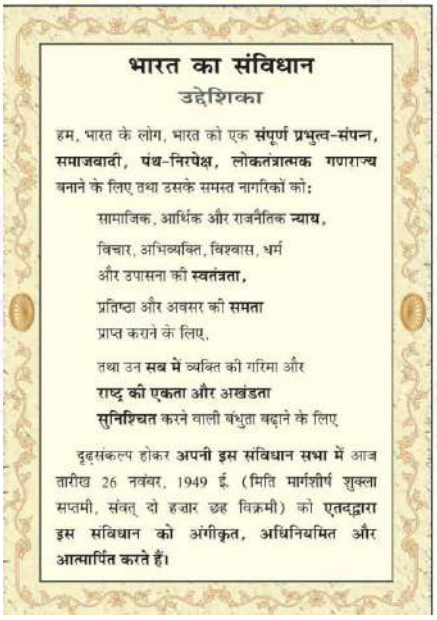

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता** प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में** व्यक्ति की गरिमा और **राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित** करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा** इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूँगा है।

- महात्मा गांधी

प्रदीप सिंह खरोला
Pradeep Singh Kharola

सचिव
भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110003
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
NEW DELHI5110003

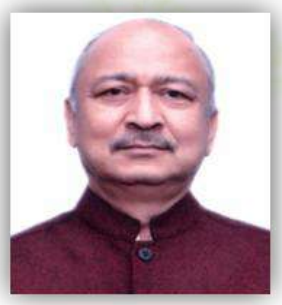

सचिव, नागर विमानन का संदेश

राजभाषा ई-पत्रिका "हंस ध्वनि" को हिंदी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशित किए जाने, सरकारी कार्य में हिंदी का प्रयोग बढ़ने और पत्रिका को समृद्ध करने के लिए पवन हंस लिमिटेड के सभी अधिकारियों और कार्मिकों को कोटि-कोटि साधुवाद।

मानव जीवन अपने आप में ईश्वरीय वरदान है। इसका सदुपयोग करना हमारा धर्म है और हमारा कर्तव्य भी है। यदि हम संकल्प ले लें कि हम हमेशा सृजनात्मक कार्य करते रहेंगे तो अवश्य ही हम पाएंगे कि हमारा खुद का जीवन भी उर्जामय और आनंदमय हो गया है। गृह-पत्रिका के ई-संस्करण से इसका प्रसार एवं प्रभाव दोनों ही बढ़ेंगे। ई-पत्रिका का प्रकाशन, डिजिटल इंडिया का समर्थक है तथा भारत सरकार की मितव्ययिता नीति का परिचायक है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(प्रदीप सिंह खरोला)

"राजभाषा हिंदी का सम्मान, देश का सम्मान"

हमारी उड़ान सभी के लिए

निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल।
भारतेंदु हरिश्चंद्र

अंशुमाली रस्तोगी
Angshumali Rastogi

संयुक्त सचिव
भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110003
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
NEW DELHI5110003

संयुक्त सचिव का संदेश

पवन हंस लिमिटेड की राजभाषा ई-पत्रिका को हिंदी दिवस विशेंषाक के रूप में प्रकाशित किए जाने पर पवन हंस लिमिटेड के सभी साथियों को, उनके साहनीय प्रयास के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

हिंदी हमारी राजभाषा है, अत:कार्यालयों में हिंदी का प्रयाग अधिकारिक तौर पर तथा गर्वपूर्वक किया जाना चाहिए। हिंदी, संघ की राजभाषा होने के कारण हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधी सरकारी अनुदेशों का उसी दृढ़ता से पालन करें, जैसा कि अन्य सरकारी अनुदेशों का करते हैं।

मुझे विश्वास है कि हंस ध्वनि के ई-प्रकाशन से राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बल मिलेगा।

शुभकामनाओं के साथ,

(अंशुमाली रस्तोगी)

"राजभाषा हिंदी का सम्मान, देश का सम्मान"

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हिन्दी संस्कृत की सभी बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि है।
ग्रियर्सन

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर, 1949 के उस ऐतिहासिक दिन की याद आना स्वाभाविक है, जब देश के विशाल जनसमूह में हिंदी भाषा के प्रयोग एवं इस भाषा की संपन्नता को देखते हुए, हमारे संविधान- निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया था। हिन्दी भारत की राष्ट्रीय एकता का आधार है व हमारी अखंडता का प्रतीक है। हिंदी ने ही संपूर्ण राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की भावना को आम जनता में निरंतर जागृत बनाए रखा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यह भाषा पूर्णत: वैज्ञानिक है तथा इसकी अपनी मानक शब्दावली, व्याकरण और शैली है। राजभाषा हिंदी में समरसता है और इसका शबदकोश व्यापक एवं समृद्ध है।

राष्ट्रभाषा प्रचार अभियान के दौरान एक बार गांधीजी ने कहा था कि ***राष्ट्रभाषा के बिना कोई भी राष्ट्र गूँगा हो जाता है। अतः भारत की भी एक राष्ट्रभाषा होना अनिवार्य है, ताकि भारत अपनी बात बोल सके। इसके लिए उन्होंने हिंदी को सर्वश्रेष्ठ माना क्योंकि पूरे भारत में मात्र हिन्दी ही आपसी सहयोग, साहचर्य एवं प्रेम की भाषा है।***

14 सितंबर, 2020 को मनाए जाने वाले हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपना समस्त सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करेंगे, क्योंकि हिन्दी संपर्क स्थापित करने वाली वह कड़ी है, जिसके माध्यम से पूरे देश तक अपनी बात पहुँचाई जा सकती है । सरकारी कामकाज में सहज सरल व आसानी से समझ में आने वाली हिन्दी का प्रयोग किए जाने से हिन्दी की स्थिति सुदृढ़ होगी क्योंकि धीरे-धीरे यह धारणा दृढ़ हो रही है कि एक से अधिक भाषाओं में अपनी बात कह सकने की क्षमता आज के समय की मांग है ।

पवन हंस के प्रधान कार्यालय का दिनांक 11.09.2020 को संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के माननीय सदस्यों द्वारा निरीक्षण, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। पवन हंस में हिंदी में अच्छा कार्य करने की सराहना एवं शुभकामना दी गई। समिति के आदेशानुसार हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारी/कर्मचारी अपना कार्य हिंदी में करना सुनिश्चित करें।

पवन हंस के सभी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़े के दौरान एक प्रेरक वातावरण तैयार करने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है । आप सभी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और हिन्दी के प्रयोग को सूचना तकनीक से जोड़कर व्यावहारिक बनाने का प्रयास करें ।

मेरा पवन हंस के सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लें और इसी क्रम में मेरा क्षेत्रीय प्रमुखों व विभागाध्यक्षो के साथ ही बेस प्रमुखों से विशेष अनुरोध है कि स्वयं हिन्दी में कार्य करें तथा अपने अधीनस्थ अधिकारियों / कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हिन्दी पखवाड़े के आयोजन को सफल बनाने का प्रयास करें ।

शुभकामनाओं के साथ।

संजीव राजदान

(संजीव राजदान)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारी उड़ान सभी के लिए

"यह संदेह निर्मूल है कि हिंदीवाले उर्दू का नाश चाहते हैं।"

- राजेन्द्र प्रसाद।

रमा वर्मा
RAMA VERMA

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110003
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN,
SAFDARJUNG AIRPORT,
NEW DELHI5110003

निदेशक (रा.भा.) का संदेश

नील गगन में पवन हंस की भांति विचरण को संभव बनाने वाली कम्पनी, पवन हंस लिमिटेड की ई-पत्रिका, हंस ध्वनि के हिंदी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशन पर, पवन हंस लिमिटेड को कोटि-कोटि बधाई।

मनुष्य अपने कर्म के माध्यम से भी ईश्वर की भक्ति कर सकता है। सच्ची भक्ति की अवस्था वह है, जहां हमारा प्रत्येक कार्य भगवान की पूजा बन जाता है। जब व्यक्ति का प्रत्येक कर्म, पूजा बन जाता है तब उसके लिए मंदिर और कार्यस्थल में अंतर नहीं रह जाता। नि:स्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही, ईश्वर की सच्ची भक्ति है।

मानव जीवन एक लंबी कहानी है, जिसमें हम प्रतिदिन कुछ नया अनुभव अर्जित करते हैं और चहते हैं कि आने वाली पीढ़ी हमारे अनुभव से लाभ उठाए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं के अनुभव से ही सीखता है। बहरहाल यह क्रम चलता रहता है। प्रकृति हमें परोपकार सिखाती है। जरा सोचिए, हमारे आस-पास खड़े वृक्ष हमें कितना कुछ देते हैं। उनकी परियाली हमारी आंखों को शीतलता देती है, उनसे उत्सर्जित ऑक्सीजन, हमारे भीतर जीवन और नव चेतना का संचार करती है। प्रकृति मां, मानवों, पशु-पक्षियों और की-पतंगों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के सा-साथ उनके लिए आश्रय स्थल भी है। सृष्टि में एक मानव ही है जो बस इकट्ठा करने की होड़ में लगा हुआ है तथा इस होड़ में उसने जीवन के आनंद को काफी पीछे छोड़ दिया है। क्यों नहीं, हम प्रकृति से कुछ सीख लें।

शुभकामनाओं के साथ,

(रमा वर्मा)

"राजभाषा हिंदी का सम्मान, देश का सम्मान"

हमारी उड़ान सभी के लिए

"देवनागरी ध्वनिशास्त्र की दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है।"
- रविशंकर शुक्ल।

राकेश कुमार मलिक
RAKESH KUMAR MALIK

भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110003
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN,
SAFDARJUNG AIRPORT,
NEW DELHI5110003

सहायक निदेशक (रा.भा) का संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि पवन हंस लिमिटेड द्वारा अपनी ई-गृह पत्रिका 'हंस ध्वनि' के हिंदी दिवस विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है। हिंदी में जितना अधिक लेखन कार्य होगा उतना ही अधिक राजभाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ेगा और जनमानस अपनी वैभवशाली संस्कृति से परिचित होगा। हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जो जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है।

पत्रिका के प्रकाशन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। जब पुष्प खिलते हैं तो सुरभि भी बढ़ती है। पत्रिका के प्रकाशन से निश्चित रूप से पवन हंस लिमिटेड के सभी अधिकारी और कर्मचारी, हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित होंगे। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए पवन हंस लिमिटेड को मेरी असीम शुभकामनाएं।

(राकेश कुमार मलिक)

"राजभाषा हिंदी का सम्मान, देश का सम्मान"

एयर कमोडोर टी ए दयासागर
कार्यपालक निदेशक

हमारी उड़ान सभी के लिए

"हमारी नागरी दुनिया की सबसे अधिक वैज्ञानिक लिपि है।"
- राहुल सांकृत्यायन।

कार्यपालक निदेशक का संदेश

पवन हंस के कार्मिकों को हिंदी पखवाड़ा की हार्दिक शुभकामनाएं।

हंसध्वनि की ई-पत्रिका के दूसरे अंक के प्रकाशन से मुझे बहुत खुशी हो रही है। चूंकि, हंसध्वनि के माध्यम से पवन हंस कर्मियों को अपनी रचनाओं और कंपनी की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को साझा करने का मंच मिलता है।

सभी को विदित है कि पवन हंस ने कोविड-19 के दौरान भी हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान की हैं। जिसमें पवन हंस के पायलटों की भूमिका अहम रही है, जो कि ग्राहकों और यात्रियों के सीधे संपर्क में आते हैं। साथ ही, अभियंताओं एवं तकनिशियनों की सेवाओं को याद रखना भी कोई अतिश्याक्ति नहीं होगी।

पवन हंस ने कोविड समय में न केवल मुश्किलों में फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, बल्कि दवाईयों और मेडिकल उपकरणों को दूर-दराज के इलाको में भी पहुंचाया ताकि समय पर हमारे देश के नागरिकों का इलाज संभव हो सके। मैं यह मानता हूँ कि कोविड के चलते, पवन हंस को बहुत चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, पर पवन हंस के पायलटों, अभियंताओं, तकनिशियन एवं अन्य सह कर्मियों ने एक योद्धा के रूप में देश एवं इसके नागरिकों की सेवा की है और इस तरह पवन हंस ने अपना पुरा दायित्व निभाया है।

ई-पत्रिका के इस अंक को प्रस्तुत करने के साथ आप सभी से पुन: अपील है कि हममें से प्रत्येक अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी में कार्य को बढ़ाने के लिए सदैव प्रयासरत रहे और पत्राचार विशेष तौर पर ईमेल से किए जाने वाले पत्राचार के लिए राजभाषा विभाग के समन्वय से मिशन मोड में हरसंभव पहल करता रहे।

जय हिंद।

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

एच एस कश्यप
संयुक्त महाप्रबंधक
(मासं व प्रशा)

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

"हिंदी जाननेवाला व्यक्ति देश के किसी कोने में जाकर अपना काम चला लेता है।"
- देवव्रत शास्त्री।

प्रधान संपादक एवं राजभाषा प्रमुख की कलम से...

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के द्वारा पवन हंस प्रधान कार्यालय का निरीक्षण दिनांक 11.09.2020 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया और पवन हंस के लिए यह अति गर्व का विषय है कि माननीय संसदीय सदस्यों ने "हिंदी पखवाड़ा" से पूर्व पवन हंस कि हिंदी के कार्यों का निरीक्षण तय किया। निरीक्षण से हिंदी के कार्यों में पुन: सजगता और जियमें को शत-प्रतिशत लागू करने की जिम्मेदारी को याद कराया जाता है कि ताकि हिंदी का प्रयोग विभाग में अधिकाधिक रूप से संपन्न हो और गृह मंत्रालय द्वारा दिये गए वार्षिक कलैंडर के प्रारूप को संस्था में ठीक से लागू किया जा सके।

पवन हंस के लिए यह अति हर्ष का विषय है कि हिंदी पखवाड़ा के दौरान हम सभी कर्मियों का कर्तव्य है कि संसदीय राजभाषा समिति की रिपोर्ट के नौवे खंड पर जारी किए गए भारत के राष्ट्रपति के आदेशों का अनुपालन किया जाए।

आज प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं अत: हम सबका फर्ज है कि कार्यालयों के कार्य में अधिकाधिक कार्य हिंदी में करें और कंप्यूटर, ई-मेल और वेबसाइट का अधिक से अधिक उपयोग भी करें।

पवन हंस हिंदी पखवाड़ा के दौरान यह भी निश्चिय किया कि हिंदी शिक्षण योजना के तहत, जो कि कैलेंडर वर्ष 2020 में समाप्त होगा, तक हिंदी भाषा, हिंदी टंकण/आशुलिपिक संबंधी प्रशिक्षण की बढ़ोत्तरी की जाएगी और इसे वर्ष 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा जाएगा।

पवन हंस की गृह पत्रिका हंसध्वनि इस वर्ष (2020-21) के प्रथम अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। राजभाषा अंक के रूप में हिंदी से जुड़ी हुई रचनाओं के साथ इस अंक में हमने विविध सामग्रियों को प्रस्तुत किया है। हमारा यह प्रयास कैसा लगा इसे जानने की हमें उत्सुकता रहेगी।

आप सभी के महत्वपूर्ण सुझ‍ाव एवं प्रतिक्रिया की अपेक्षा है ताकि हंसध्वनि को नया आयाम दिया जा सके।

आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा में शुभकामनाओं सहित!

(एच एस कश्यप)

सत्यमेव जयते

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

"हिंदी और नागरी का प्रचार तथा विकास कोई भी रोक नहीं सकता।"
- गोविन्दवल्लभ पंत।

राष्ट्रपति का आदेश 1960

राजभाषा समिति की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 344(6) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार के कार्यालयों के कामकाज कें हिन्दी को प्रस्थापित किए जाने के लिए पांरभिक उपायों के संबंध में 27 अप्रेल 1960 को एक आदेश जारी किया । इस आदेश में विशेषकर निम्नलिखित विषयों के संबध में की जाने वाली व्यवस्था के विषय मे निर्देश दिये गये :

1. शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त तथा वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली के लिए स्थाई आयोग का गठन।
2. प्रशासनिक साहित्य और अन्य कार्य -विधि साहित्य का अनुवाद।
3. प्रशासनिक कर्मचारी वर्ग को हिंदी का प्रशिक्षण ।
4. हिन्दी का प्रचार प्रसार और विकास
5. केन्द्र सरकार के विभागों स्थानीय कार्यालयों के लिए भर्ती ।
6. प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण ।
7. अखिल भारतीय सेवा और उच्चतर केन्द्रीय सेवाओं में भर्ती के लिए परीक्षा का माध्यम तथा भाषा विषयक प्रश्न पत्र।
8. अंकों का प्रयोग ।
9. अधिनियमों, विधेयकों आदि की भाषा ।
10. उच्चतम न्यायालय , उच्च न्यायालय की भाषा ।
11. विधि के क्षेत्र में हिन्दी में काम करने के लिए आवश्यक प्रांरभिक कदम ।
12. हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए योजना का कार्यक्रम ।

इस प्रकार हम देखते है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 में हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित करने के साथ साथ अग्रेंजी को भी सह राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया ताकि सरकारी कामकाज सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके। इस क्रम में यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय सामासिक संस्कृति के विकास हेतु भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में राज्यों की राजभाषाओं को भी उतना ही महत्व प्रदान करते हुए उनके प्रचार-प्रसार की बात कही गयी है और राज्य सरकारों को अपनी राजभाषा चयन करने की पूरी छूट भी प्रदान की गई है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज 22 आधुनिक भारतीय भाषाएं इसी का जीता जागता प्रमाण है ।

हमारी उड़ान सभी के लिए

"संस्कृत मां, हिंदी गृहिणी और अंग्रेजी नौकरानी है।"

- डॉ. फादर कामिल बुल्के।

हम भी हिंदी

हिंदी को आसान बनाने में तकनीक की भी भूमिका है। जब हम तकनीक के साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ते हैं तो घंटों का काम मिनटों में हो जाता है। ऐसे दौर में कंप्यूटर और मोबाइल पर भी हम हिंदी में कैसे आसानी से काम कर सकते हैं।

मशीन कर देगी मनचाही भाषा में अनुवाद

दूसरी भाषाओं से हिंदी और हिंदी से दूसरी भाषाओं में दोतरफा मशीन अनुवाद के लिए अब कई विकल्प मिलते हैं। इनमें से गूगल ट्रांसलेट जाना पहचाना है। - बहुत अच्छा अनुवाद करता है। अब अनुवाद माइक्रोसॉफ्ट का बिंग ट्रांसलेटर की सुविधा खुद माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में भी शामिल है। मशीन अनुवाद अब पहले जैसा नहीं रहा और उसमें लगातार सुधार हो रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट दोनों ही न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें अनुवाद की सटीकता पहले से काफी बढ़ गई है।

गूगल ट्रांसलेटः बड़े पैमाने पर लोग इसका इस्मतोल करते हैं। इसके लिए translate.google.com पर जाए। इस वेब पेज पर लेफ्ट साइड पर स्रोत भाषा और राइट साइड पर लक्ष्य भाषा का चुनाव करना होगा। इसके बाद लेफ्ट में अपना मूल टेक्स्ट कॉपी पेस्ट कर दें। यह तुरंत ही अनूदित होकर राइट साइड दिखाई देने लगेगा। सिर्फ टेक्स्ट ही नहीं, चाहें तो अपने किसी दस्तावेज को भी पूरा का पूरा अनुवाद कर सकते हैं। इसके लिए आपको उसे अपलोड करना होगा। ये दस्तावेज कई तरह के हो सकते हैं, जिनमें वर्ड के डॉक्यूमेंट्स से लेकर पीडीएफ भी शामिल हैं।

बिंग ट्रांसलेटरः गूगल ट्रांसलेट की तरह माइक्रोसॉफ्ट की बिंग ट्रांसलेट सेवा भी काम करती है। इसका इस्मतोल करने के लिए bing.com/translator पर जाना होगा। बाकी तरीका ठीक उसी तरह का है जैसा गूगल ट्रांसलेट पर है।

वर्ड में मशीन अनुवादः माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में भी अब मशीन अनुवाद की क्षमता शामिल है। आप जिस दस्तावेज पर काम कर रहे हैं आप उसे शीघ्र ही दूसरी भाषा में अनूदित कर सकते हैं। इसके लिए वर्ड के रिबन में Review टैब पर जाए। वहां पर दिए हुए Translate बटन के करीब मौजूद तिकोने निशान पर क्लिक करें और पसंद के अनुसार पूरा दस्तावेज या फिर सिलेक्टेड हिस्से का

हमारी उड़ान सभी के लिए

"भाषा विचार की पोशाक है।"

- डॉ. जानसन।

अनुवाद करने का विकल्प चुन लें। स्रोत और लक्ष्य दें। जाएगा। यह जानकारी और चद सेकंड में ही अपने दस्तावेज को अनूदित कर कर सकते हैं।

हिंदी में OCR: ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन (ओसीआर) का मतलब किसी प्रिंटेड दस्तावेज की सामग्री को पहचानकर उसे हिंदी में टाइप किए गए टेक्स्ट में बदलना है। यह किताबों के डिजिटलाइजेशन के लिए बहुत कारगर है। अब हिंदी में ओसीआर के लिए कई विकल्प हैं। जैसे गूगल ड्राइव इन्डसेन्ज ओसीआर, I2OCR.com, Hindi OCR (सॉफ्टवेयर और (OCRConvert.com आदि।

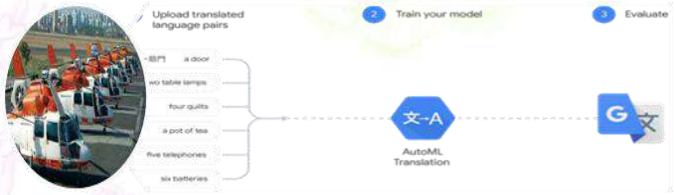

अनुवाद के लिए वेबसाइट: http://translate.google.com/translate

हिंदी सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने के लिए http://bhashaindia.com

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

"जिस देश को अपनी भाषा और अपने साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है, वह उन्नत नहीं हो सकता।"

- देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।

कंप्यूटर/लैपटॉप पर हिंदी कैसे एक्टिव करें

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

"हिंदी भाषा और साहित्य ने तो जन्म से ही अपने पैरों पर खड़ा होना सीखा है।"
- धीरेन्द्र वर्मा

राजभाषा संबंधी नीति नियम

यह देखा गया है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति से संबंधित विभिन्न प्रावधानों का समुचित रूप से पालन नहीं होने का एक मुख्य कारण इससे अनभिज्ञता है।

भारत के संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा संकल्प, 1968 और राजभाषा नियम 1976 के अनुसार भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी में कामकाज करना और उसका विस्तार करना आवश्यक है। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

राजभाषा अधिनियम 1963 (1963 का 19) की धारा 3 की उपधारा (3) में यह कहा गया है कि निम्नलिखित 14 प्रकार के दस्तावेज अनिवार्य रूप से द्विभाषी अर्थात हिंदी व अंग्रेजी एक-साथ जारी किए जाएं-

1. सामान्य आदेश	**2. संकल्प**	**3. नियम**
4. अधिसूचनाएं	**5. प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्ट**	
6. प्रेस विज्ञप्तियां	**7. सरकारी कागज पत्र**	
8. संविदाएं	**9. करार**	**10. अनुज्ञप्तियां**
11. अनुज्ञापत्र	**12. टेंडर नोटिस**	**13. टेंडर फॉर्म**
14. संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली प्रशासनिक एवं अन्य रिपोर्ट		

पवन हंस लिमिटेड के सभी विभागों एवं अनुभागों से इन दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी करवाया जाना अपेक्षित है। द्विभाषी रूप में जारी करने के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षरकर्ता अधिकारी चेकप्वाइंट होते हैं।

राजभाषा नियम 1976 में भारत के भौगोलिक प्रदेश को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार की स्थिति के अनुसार तीन क्षेत्रों में बांटा गया है - "क" क्षेत्र, "ख" क्षेत्र और "ग" क्षेत्र। "क" क्षेत्र में मुख्यतः हिंदी भाषी प्रदेश आते हैं, अर्थात उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, छत्तीसगढ़, झारखंड, अंडमान निकोबार दीप समूह तथा दिल्ली। "ख" क्षेत्र में वे प्रदेश हैं जहाँ हिंदी मुख्य भाषा नहीं है किंतु जहां हिंदी व्यापक रूप में बोली और समझी जाती है, अर्थात महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, चंडीगढ़ दमन और दीव तथा दादरा व नगर हवेली। "ग" क्षेत्र में वे प्रदेश शामिल हैं जहाँ हिंदी का प्रयोग कम है अर्थात वे प्रदेश शामिल हैं जहाँ हिंदी का प्रयोग कम है अर्थात वे प्रदेश जो "क" और "ख" क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए हैं।

राजभाषा विभाग द्वारा पारित राजभाषा संकल्प 1968 के अनुसरण में प्रतिवर्ष जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार संघ का राजकीय कार्य हिंदी में करने के लिए निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार "क क्षेत्र का 100% पत्राचार हिंदी में होना चाहिए "ख" क्षेत्र का पत्राचार 90% और "ग" क्षेत्र का पत्राचार 65% हिंदी में होना चाहिए। फाइलों में लिखी गई टिप्पणियों का 75% हिंदी में होना चाहिए और वेबसाइट 100% द्विभाषी रूप में होना चाहिए।

☼ बिना उत्साह के कोई महान उपलब्धि कभी नहीं होती। ☼

हमारी उड़ान सभी के लिए

राष्ट्र की सेवा में पिछले 35 वर्षों से पवन हंस की अग्रणी - व्यवसायी प्रक्रियाओं का इतिहास

पवन हंस लिमिटेड –एक मिनीरत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम

महामारी के दौरान पवन हंस लिमिटेड द्वारा उड़ान – लॉक डाउन अवधि

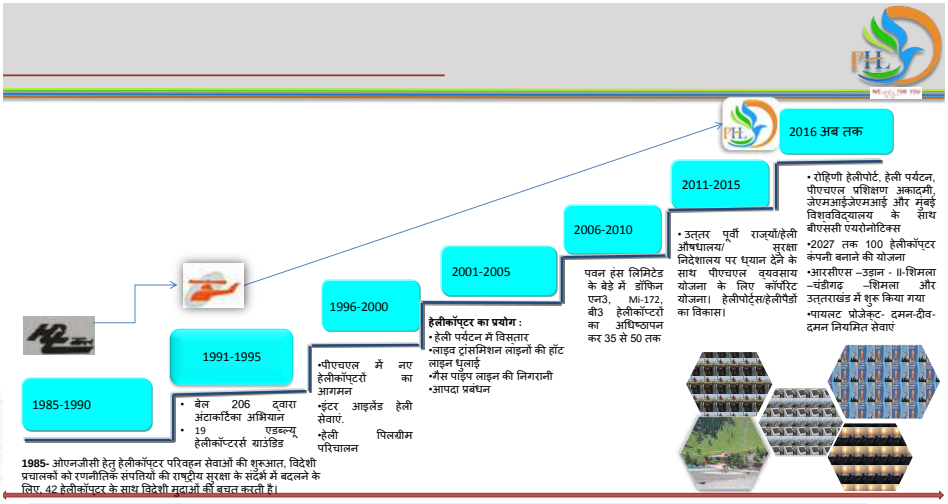

अवधि	कार्गो उड़ान (कोविड-19)		मैडिवैक उड़ान	बचाव उड़ान
	तय की गई दूरी (किमी.)	कार्गो कैरी किया गया (किग्रा)	मरीजों की सं.	यात्री
मार्च	2226	459	11	230
अप्रैल	5503	1571	93	--
मई	3512	848	157	--
जून	--	--	10	--
कुल	11241	2878	271	230

पवन हंस लिमिटेड –एक मिनीरत्न केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

"दाहिनी हो पूर्ण करती है अभिलाषा पूज्य हिंदी भाषा हंसवाहिनी का अवतार है।"

- अज्ञात

☼ कठिन वह है जो थोड़ा समय लेता है और असंभव वह है जो कुछ अधिक समय लेता है। ☼

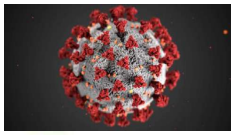

हेल्थ-वेल्थ

हमारी उड़ान सभी के लिए

भारतीय साहित्य और संस्कृति को हिंदी की देन बड़ी महत्त्वपूर्ण है।
- सम्पूर्णानन्द

कोविड-19

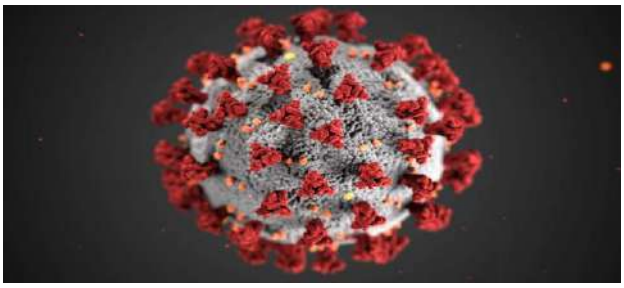

कोरोना संक्रमण से बचाव

कोरोना संक्रमण जो वैश्विक महामारी के रूप में फैल चुका है, जिसने न केवल लाखों जानें ले ली है बल्कि आर्थिक प्रगति की रीढ़ भी तोड़ डाली है। करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आर्थिक स्थिति धरातल पर आ गई है जीडीपी मानो पाताल में जाने को तैयार हो गई है।

कोरोना संक्रमण जो सीधे हमारे श्वसन तंत्र, फेफड़ों की क्षमता पर आघात करता है। जिसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है एवं जो लोग लंबी बिमारियों जैसे मधूमेह, हृदयरोग, हाइपरटेंशन, अस्थमा आदि से ग्रसित हैं उन्हें इस तरह के संक्रमण जल्दी हानि पहुंचाते हैं और वे इस महामारी की चपेट में शीघ्र आ जाते हैं। कोरोना संक्रमण एवं अन्य सभी संक्रमण से बचने के लिए हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना अति आवश्यक है, जिसके लिए उचित आहार 6 से 8 घंटे की नोंद एवं नियमित व्यायाम योगाभ्यास जरूरी है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता (immune system) को बढ़ाने के लिए हमारे लिए प्राकृतिक आहार (शाकाहार) का ही प्रयोग उचित है। अपक्वाहार(uncooled) भोजन का इस्तेमाल अधिक होना चाहिए। हमारी भारतीय रसोई ही हमारा औषधालय है, जिसमें उपलब्ध सभी मसाले, हल्दी, काली मिर्च, लोंग, दालचीनी, इलायची और सौंठ आदि का संतुलित उपयोग इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में बहुत सहायक है। गिलोय व अश्वरोध का नियमित प्रयोग अनेक पुरानी बिमारियों को समाप्त करके शरीर में नई ऊर्जा का संचरण करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में हमारी 6 से 8 घंटे की निद्रा आना आवश्यक है। 10 से 11 बजे के बीच सो जाना चाहिए एवं प्रात: सूर्योदय से पहले उठ जाना चाहिए।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान होता है हमारे फेफड़ों की क्षमता का अधिकतम प्रयोग, हम बहुत कम अपने फेफड़ों की क्षमता का प्रयोग कर पाते है। लंबी गहरी श्वास के द्वारा हम अनेक बिमारियों जैसे मधूमेह, हृदयरोग, हाइपरटेंशन, अस्थमा आदि रोगों से मुक्ति पा सकते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सूर्य नमस्कार कपालभांति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, ऊं का उच्चारण, सूर्य एवं अंत में तनात-मुक्ति के लिए ध्यान अवश्य करना चाहिए।

हम वायरस को फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

अगर आप छींक रहे हैं या फिर खांस रहे हैं तो अपने मुंह के सामने टिश्यू ज़रूर रखें और अगर आपके पास उस वक़्त टिश्यू ना हो तो अपने हाथ को आगे कर कोहनी की ओट में छीकें या खांसें.

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिंदी को देश में परस्पर संपर्क भाषा बनाने का कोई विकल्प नहीं, अंग्रेजी कभी जनभाषा नहीं बन सकती।

मोरारजी भाई देसाई

अगर आपने कोई टिश्यू इस्तेमाल किया है तो उसे जितनी जल्दी हो सके डिस्पोज़ कर दें. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो इसमें मौजूद वायरस दूसरों को भी संक्रमित कर सकते हैं.

यही वजह है कि लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने को कहा जा रहा है. सोशल डिस्टेंसिंग के तहत लोगों को एक-दूसरे से कम से कम दो मीटर दूर रहने की सलाह दी गई है.

इसके अलावा बहुत सी जगहों पर लोगों को सलाह दी गई है कि वे अपने घरों में ही रहें और जब तक बहुत ज़रूरी ना हो घर से बाहर ना निकलें. ताकि संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से बचा जा सके.

इन सबके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि यह बेहद ज़रूरी है लोग हैंडशेक करने से परहेज़ करें और इसके बजाय 'सेफ़-ग्रीटिंग' जैसे नमस्ते या फिर कोहनी के इस्तेमाल या दूसरे तरीक़े से अभिवादन करें.

- खाना बनाने से पहले और खाना बनाने के दौरान हाथ जरूर धोते रहें।
- टॉयलेट जाने के बाद हाथ साफ करें।
- खाना बनाने की जगह, चूल्हे और बर्तन अच्छी तरह से धोएं और उन्हें सैनिटाइज्ड करें।
- रसोई घर को कीड़े-मकौड़ों और दूसरे जानवरों की पहुंच से सुरक्षित रखे।

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है जिनके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषाओं की अगली श्रेणी में सभासीन हो सकती है।

- मैथिलीशरण गुप्त

कोरोना वायरस - क्या हैं लक्षण

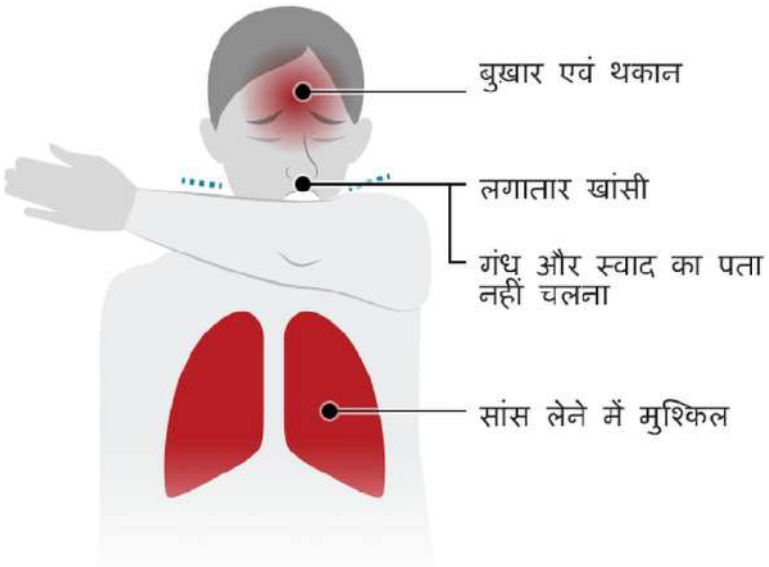

- साफ पानी और स्वच्छ भोजन सामाग्री
- स्वच्छ जल का इस्तेमाल करें ।
- ऐसा भोजन चुनें, जिसकी सुरक्षित प्रोसेसिंग की गई हो जैसे पाश्चुराइज्ड दूध।
- फल और सब्जियां जरूर धोएं, खासकर तब जब आप उन्हें कच्चा ही खा रहे हों।
- खाने पीने की एक्सपायर्ड चीजें यानी जिसके इस्तेमाल की तारीख खत्म हो गई हों, का इस्तेमाल कभी नहीं करें।

श्री जंगवीर सिंह (सहायक प्रबंधक- प्रशासन/राजभाषा)

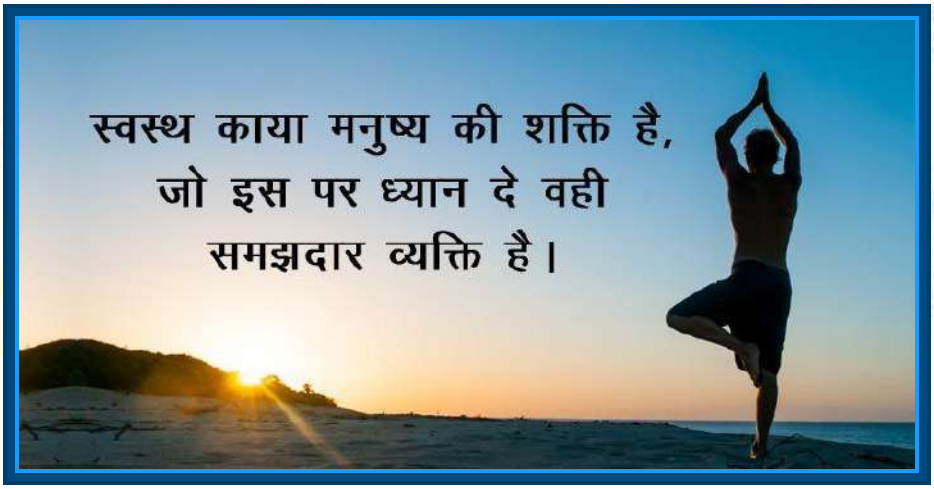

*****स्वास्थ्य है महत्वपूर्ण, इसके बिना जीवन अपूर्ण*****

हमारी उड़ान सभी के लिए

अब हिंदी ही माँ भारती हो गई है- वह सबकी आराध्य है, सबकी संपत्ति है।

- रविशंकर शुक्ल

मैं अक्सर सोचा करता हूँ ...

जब धरती का कोलाहल
थोड़ा थम जाता हो
और चाँद निकल कर पूरा
नभ पर छा जाता हो
नीरव किसी सागर तट पर
उँगलियाँ पकड़ कर आपस में
खुद अपने क़दमों की
दो प्रेमी आहट सुनते हों
कुछ कहे बिना सुंदर सपने
बुनने की कोशिश करते हों
बस खाली खाली मन से
खामोश बनी लहरों पर बैठा
ऐ चाँद न ढलना आज
मैं अक्सर सोचा करता हूँ |

जब चाँद दूज का देखो
थोड़ा शर्माता हो
घूंघट में छिपा कर नजरें
आँचल लहराता हो
आँचल के बूटे छिटक छिटक
नभ पर छा जाते हों
हौले हौले टिम टिम
तारे बन जाते हों
दिल देख नही थकता
नयन थक जाते हों.....2

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिंदी भाषा की उन्नति का अर्थ है राष्ट्र और जाति की उन्नति।
- रामवृक्ष बेनीपुरी

किसी बियाबान मे लेटा
बन थका पथिक चुपचाप
ऐ चाँद सरकने दे घूंघट
मैं अक्सर सोचा करता हूँ |

जब सीमा के प्रहरी का ख़त
रोज खुला करता हो

खिड़की पर आँख टिकाए
कोई अक्सर पढ़ता रहता हो
सूनी पगडंडी घर की हो
आतुर प्रहरी की आहट को
गुलमोहर लाल हो व्याकुल
जब प्रहरी के स्वागत को
और हंस हंस कर मानो
देता कुछ राहत चाहत को
सपनो में गाँव के खोया
नजर जमाए खिड़की पर
ऐ आहट आज तो देर न कर
मैं अक्सर सोचा करता हूँ |

विंग कमांडर बिमल वरन बदुनी
महाप्रबंधक (परिचालन)

परास्त होने पर भी जीवन तो संघर्ष करता ही रहेगा

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिंदी भाषा हमारे लिए किसने बनाई? प्रकृति ने। हमारे लिये हिंदी प्रकृतिसिद्ध है।

- पं. गिरिधर शर्मा

बस एक कदम और .....

बस एक कदम और इस बार किनारा होगा
बस एक पहर और इस बार उजाला होगा
जो लक्ष्य का भेदे वो कहीं तो तीर होगा
इस तपती भूमि में कहीं तो नीर होगा।
बस एक प्रयास और अब लक्ष्य हमारा होगा
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा

जो मंजिल तक पहुंचे वो कोई तो राह होगी
अपने मन को टटोलो कोई तो चाह होगी।
जो मंजिल तक पहुंचे वो कदम हमारा होगा
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा
बस एक पहर और इस बार उजाला होगा।

अंबर के नीचे उस बादलों के पीछे कोई तो किरण होगी
इस अंधकार से लड़ने की कोई तो ऊषा की किरण होगी।

हमें तो भरोसा है उस पवन के हंस पर जो ऊंचाइयों से ऊचांइयों को छूने के हौसले रखता है

बस एक कदम और इस बार किनारा होगा
बस एक पहर और इस बार उजाला होगा।

ऊषा कुमार, सचिवीय अधिकारी, मासं एवं प्रशा.

आप मित्र का चयन करते हैं, उसी प्रकार लेखक का भी चयन करें।**

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिन्दी शताब्दियो से राष्ट्रिय एकता का माध्यम रही है।

- वासुदेवशरण अग्रवाल

Designation/पदनाम

Chairman & Managing Director	: अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Executive Asstt. to CMD	: कार्यपालक सहायक, अप्रनि
Chief Vigilance Officer	: मुख्य सतर्कता अधिकारी
Executive Director	: कार्यपालक निदेशक
General Manager	: महाप्रबंधक
Company Secretary	: कंपनी सचिव
Joint General Manager	: संयुक्त महाप्रबंधक
Deputy General Manager	: उप महाप्रबंधक
Senior Manager	: वरिष्ठ प्रबंधक
Manager	: प्रबंधक
Deputy Manager	: उप प्रबंधक
Assistant Manager	: सहायक प्रबंधक
Officer/Executive	: अधिकारी/ कार्यपालक
Section Officer	: अनुभाग अधिकारी
Accountant	: लेखाकार
Junior Section Officer	: कनिष्ठ अनुभाग अधिकारी
Aircraft Maintenance Engineer	: विमान अनुरक्षण अभियंता
Technician	: तकनीशियन
Senior Commander	: वरिष्ठ कमाण्डर
Commander	: कमाण्डर
Captain	: कैप्टन
Junior Captain	: कनिष्ठ कैप्टन
Office Attendant	: कार्यालय परिचर
First Officer	: प्रथम अधिकारी
Secretarial Officer	: सचिवीय अधिकारी
Personal Assistant	: निजी सहायक
Computer Programmer	: कम्प्यूटर प्रोग्रामर
Driver	: ड्राईवर

****अध्ययन आनंद, अलंकरण तथा योग्यता के लिए उपयोगी है।****

हमारी उड़ान सभी के लिए

हिन्दी की दौड किसी प्रांतीय भाषासे नहीं अंग्रेजी से है।

- केशवचंद्र सेन

अधिक प्रयोग में आने वाले शब्द

Arrears	बकाया	
Budget	बजट	
Deputation	प्रतिनियुक्ति	
Dividend	लाभांश	
Explanation	व्याख्या	
Examine	परीक्षा करना	
Identity Card	पहचान-पत्र	
Matter	मामला	
Please	कृपया	
Previous Reference	गत संदर्भ	
Proper Channel	उचित माध्यम	
Reply/Answer	जवाब	उत्तर
Sanctioned	मंजूर	स्वीकृत
Subject	विषय	
Satisfactory	संतोषजनक	
Top Priority	परम अग्रता	प्राथमिकता
Visiting Card	परिचय - पत्र	
Inspection	निरीक्षण	
Departure	प्रस्थान	
Daily allowance	दैनिक भत्ता	
Supplementary Rule	पूरक नियम	
Tour	दौरा	
Arrival	आगमन	
Conveyance allowance	सवारी भत्ता	
Transfer	तबादला	
Guest	अतिथि	
हिंदी पत्राचार रूटीन टिप्पणी		
Please refer to the trailing mail	कृपया ट्रेलिंग मेल का संदर्भ ग्रहण करें	
Please find forwarded mail	कृपया अग्रेषित पत्र प्राप्त करें	
For your information and necessary action	आपकी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए	
Please find attachment herewith	कृपया इसके साथ संलग्नक प्राप्त करें	
Reply is attached herewith	प्रतिउत्तर इसके साथ संलग्न है	

****कठिन वह है जो थेड़ा समय लेता है और असंभव वह है जो कुछ अधिक समय लेता है।****

स्वच्छ भारत अभियान - पवन हंस एक पहल के रूप में

भारत सरकार ने एक महत्वाकांक्षी पहल के रूप में 'स्वच्छ भारत अभियान को ' दिनांक 02.10.2014 से 02.10.2019 चलाए जाने के निर्णय के क्रम में अभियान की सफलता के लिए पवन हंस ने भी नागर विमानन मंत्रालय के निर्देशानुसार अपने प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में स्वच्छ भारत मिशन को एक मिशन के रूप में लिया और अनेक गतिविधियों जैसे स्लोगन, निबंध, ड्राइंग प्रतियोगिताओं के साथ श्रम पदयात्रा, श्रमदान, नुक्कड़ नाटक का भी का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में पवन हंस को नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में वर्ष 2018 में प्रथम पुरस्कार और वर्ष 2019 में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत अभियान से खुले में शौच का 39 प्रतिशत का आंकड़ा वर्ष 2014 से अक्टूबर 2019 में शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया और यह भारत वर्ष के लिए एक बड़े गर्व का विषय है।

पवन हंस में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के अलावा और एक जागरूकता के रूप में महीने के प्रत्येक सोमवार स्वच्छता शपथ दिलाई जाती है परंतु हाल में कोविड 19 के चलते यह शपथ प्रत्येक कर्मचारी अपने डेस्क पर लेते हैं।

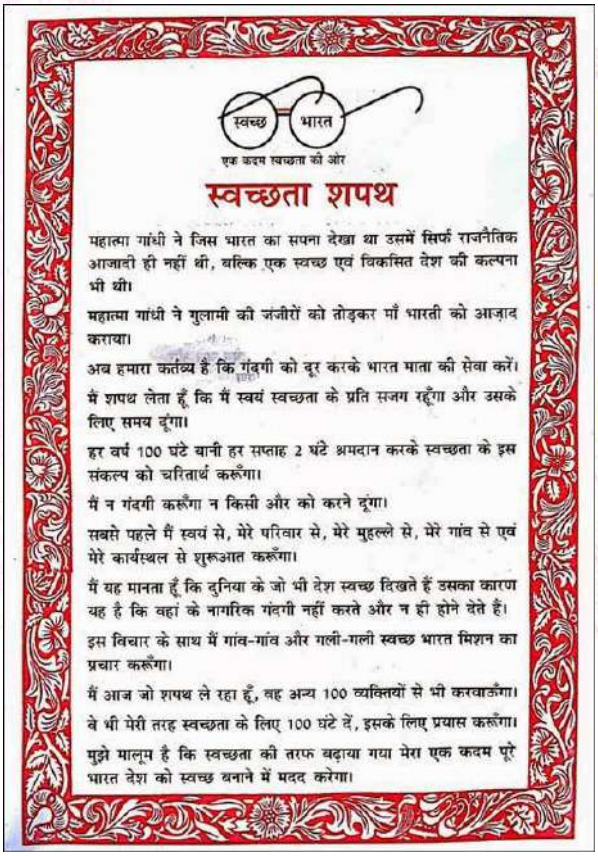

****अपनी कल्पना को जीवन का मार्गदर्शक बनाएं, अपने अतीत को नहीं****

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

एकता की जान है,
हिन्दी देश की शान है।

- पं. कृ. रंगनाथ पिल्लयार

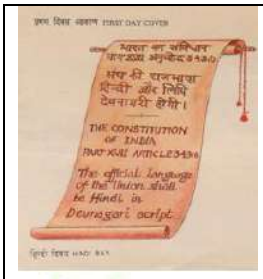

हमारी उड़ान सभी के लिए

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

हिंदी हमारी भारतीय संस्कृति की वाणी ही तो है।

- शांतानंद नाथ

भारतीय संविधान के 70 वर्ष

भारत में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन भारत के संविधान मसौदे को अपनाया गया था। आज संविधान बने को 70 साल हो गए हैं। केंद्र सरकार ने 19 नवंबर, 2015 को राजपत्र अधिसूचना की सहायता से 26 नवंबर को संविधन दिवस के रूप में घोषित किया था। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू होने से पहले 26 नवंबर 1949 को इसे अपनाया गया था संविधान सभा के सदस्यों का पहला सेशन 9 दिसंबर 1947 को आयोजित हुआ, इसमें संविधान सभा के 207 सदस्य थे । संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. बी आर अंबेडकर थे। इन्हें भारत के संविधान का निर्माता भी कहा जाता है।

भारत सरकार के न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशानुसार एवं नागर विमानन मंत्रालय से प्राप्त निर्देश के स्वरूप पवन हंस के कार्यालयों में भी 26 नवंबर, 2019 से 26 नवंबर, 2020 तक संविधान वर्ष के रूप में मनाया जाना सुनिश्चित हुआ है और इस संबंध में गतिविधियों के आधार पर जागरूकता बढ़ाने के लिए बैनर एवं पोस्टर लगाए गए हैं। इसके अलावा भारतीय संविधान निर्माण पर आधारित शार्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। साथ ही, नागरिक कर्तव्य एवं मौलिक कर्तव्यों को भी कार्यालयों में प्रदर्शित किया गया है और इन सबका समीकरण प्रदर्शित रूप में इस प्रकार है।

****मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है****

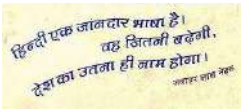

हमारी उड़ान सभी के लिए

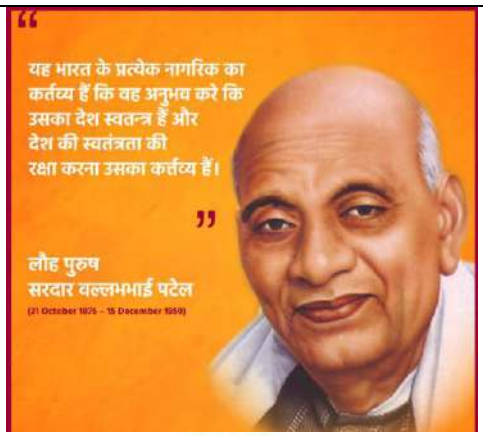

हिंदी पखवाड़ा

दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिंदी पखवाड़े के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।

प्रतियोगिता का नाम	आयोजन की तिथि
आलेख लेखन प्रतियोगिता	14.09.2020
अपठित गद्यांश प्रतियोगिता	21.09.2020
हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता	22.09.2020
कंप्यूटर पर हिन्दी (यूनिकोड) टंकण	23.09.2020
कार्यालय में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने संबंधित सुझाव प्रतियोगिता	24.09.2020
स्लोगन प्रतियोगिता	28.09.2020

हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताओं की झलकियां ।

मैं दुनिया की सब भाषाओं की इज्जत करता हूँ, परन्तु मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं नहीं सह सकता।

- विनोबा भावे

**** कुछ लोग सफलता के सपने देखते हैं, जबकि अन्य लोग जागते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।****

हमारी उड़ान सभी के लिए

इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों के हैं। मौलिकता एवं अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। संपादक मंडल / पवन हंस लिमिटेड से इसकी सहमति होना आवश्यक नही हैं।

नि:शुल्क एवं केवल आंतरिक वितरण के लिए।

संपादकीय पता :
पवन हंस लिमिटेड, प्रधान कार्यालय, सी-14, सैक्टर-1, नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश),
दूरभाष संख्या 0120-2476734,
फैक्स-0120-2476978,
ई-मेल:rajbhasha.ol@pawanhans.co.in

पवन हंस लिमिटेड
Pawan Hans Limited

पवन हंस लिमिटेड
प्रधान कार्यालय, सी-14, सेक्टर-1, नोएडा 201301